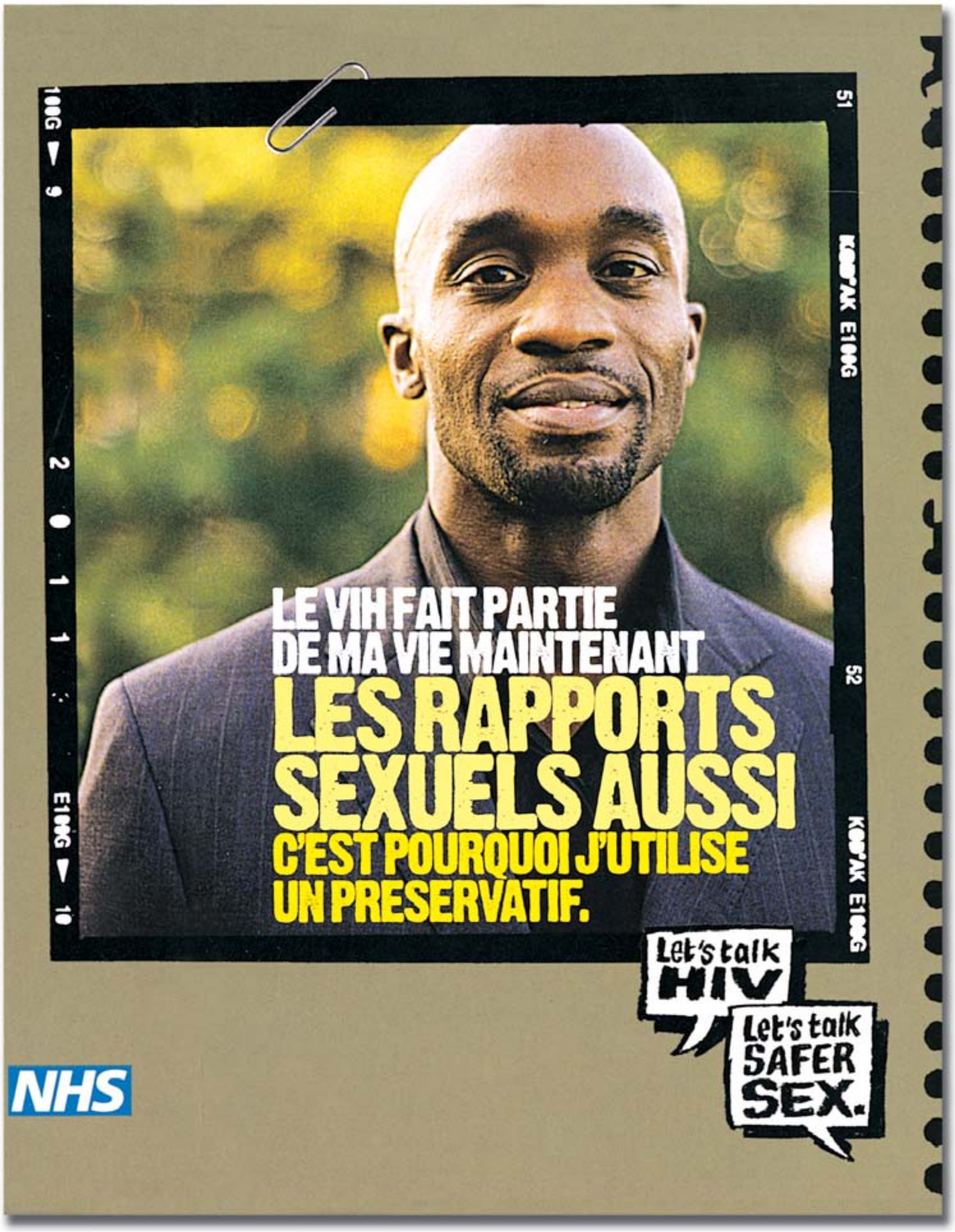
LE VIH FAIT PARTIE
DE MA VIE MAINTENANT
LES RAPPORTS
SEXUELS AUSSI
C'EST POURQUOI J'UTILISE
UN PRESERVATIF.
Let's talk
HIV
Let's talk
SAFER
SEX.
NHS

# नैतिकता एवं भाषा

ये एचआईवी/एड्स कवरेज पर कुछ सिद्धांत हैं, जो एचआईवी/एड्स पर यूरोपिअन यूनियन–भारत की मीडिया पहल के अंतर्गत आयोजित कार्यशालाओं में भाग लेने वालों की चर्चाओं से उभरे हैं। सन 2005 और 2006 के दौरान प्रिंट, रेडियो और टेलिविज़न मीडिया से कुल 112 पत्रकारों और कार्यक्रम निर्माताओं ने इन कार्यशालाओं में भाग लिया और एचआईवी/एड्स के मुद्दों को कवर करने में मीडिया की भूमिका और तरीकों पर आत्मविश्लेषी चर्चाएं कीं।

जानकारी फैलाने में मीडिया की भूमिका को भारत में और भी अधिक महत्वपूर्ण समझा गया, जहां कई क्षेत्रों में साक्षरता दर काफी कम है। इससे जुड़ा एक और सच यह है कि अधिकतम लोगों को एचआईवी/एड्स पर जानकारी डाक्टरों या विशेषज्ञों से ज्यादा मीडिया से मिलती है। भाग लेने वाले पत्रकारों और कार्यक्रम निर्माताओं ने, फील्ड पर हुए अपने अनुभवों के आधार पर नैतिक चिंता के हजारों बिन्दुओं की ओर ध्यान दिलाया।

नीचे, कार्यशालाओं में उभरे बिन्दुओं को छान कर एक विस्तृत सूची तैयार की गई है।

## गोपनीयता का आदर करें

कलंक और भेदभाव का डर अक्सर एचआईवी/एड्स के साथ जी रहे लोगों (पीएलएचए) को अपनी चिकित्सा स्थिति छुपा कर रखने के लिए मज़बूर कर सकता है। उनकी इच्छा का आदर करें और याद रखें कि आपके लिए यह महज एक और कहानी हो सकती है, उनके लिए, यह जीवन और मृत्यु का मामला हो सकता है, या सबसे निचले स्तर पर, जीवन का प्रश्न हो सकता है जैसा वे समझते

**एड्स** 'भगवान का प्रकोप' या ऐसी कोई बेतुकी बात नहीं है। हमारे समाज का एक हिस्सा अपनी जीवनशैली के साथ प्रयोग कर रहा था, और वह कारगर नहीं हुआ। वे बीमार हो गए। हमारे समाज का अन्य बहुवादी हिस्सा, उन्हें कैंसर पर असफल युद्ध के शरणार्थी डाक्टर/वैज्ञानिक कहो, या उन्हें सिर्फ पेशेवर गीदड़ कहो, उन्होंने खोजा कि वह कारगर था। उनके लिए कारगर था। वे अभी तक आपकी जेब से अपनी बीएमडब्ल्यू की किश्तें भर रहे हैं।

— डॉ कैरी मुलिस
पौलीमिरेज चैन रिएक्शन टेस्ट के अविष्कार के लिए नोबेल पुरस्कार विजेता

*रिपोर्टिंग एचआईवी/एड्स अवार्ड के विजेता लंदन के यूके कोअलिशन ऑफ पीपल लिविंग विद एचआईवी/एड्स में*

हैं। पीएलएचए से अक्सर मिलें और उनसे निजी या कठिन प्रश्न पूछने के बारे में सोचने से पहले, एक विश्वास का वातावरण बनाएं।

## सूचित स्वीकृति

जहां पीएलएचए आपसे मिलने के लिए तैयार हो जाता है, ऐसे मामलों में भी, इस बात का जरूर ध्यान रखें कि उसे इस बात के बारे में पता हो, कि इससे उसके जीवन पर क्या संभावित प्रभाव हो सकते हैं। उससे बात करें, कोशिश करें कि उसकी भाषा में करें, ताकि आपको पक्का पता हो कि उसे आपकी बात समझ आ रही है। उसे बताएं कि आप कहानी को कैसे देखेंगे, वह कहां प्रकाशित/प्रसारित होगी, आप कौन सा दृष्टिकोण प्रयोग करना चाहते हैं।

## बच्चों के साथ विशेष ध्यान रखें

जब आप बच्चों से बात करते हैं तब सूचित स्वीकृति और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है, जिन्हें शायद अपनी स्थिति की ठीक से समझ भी न हो। ऐसे केस में, बच्चे के साथ साथ उसके माता–पिता/संरक्षक से बात करें और निश्चित करें कि उन्हें यह पता हो कि आप यह कहानी क्यों कर रहे हैं और आपके ऐसा करने का क्या प्रभाव हो सकता है।

*शिमला में एआरटी सेंटर देखते हुए*

## निष्पक्ष रहें

पीएलएचए को स्वर दें। उन्हें अपने सरोकारों को सामने लाने दें, लेकिन उनकी तरफ झुके बिना। अपनी कहानी उन सबके साथ बांटें जो उसमें शामिल हो सकते हैं – सरकार, गैर सरकारी संस्थाएं (एनजीओ), पीएलएचए, उनके पड़ोसी, स्वास्थ्य देखभाल अधिकारी। उनकी कही बातों को इस्तेमाल करें, लेकिन कोशिश करें कि किसी एक समूह को अत्यधिक महत्व न दें। एचआईवी/एड्स पर कार्य करते समय, सभी दावेदारों का उचित प्रतिनिधित्व महत्वपूर्ण है। सरकार की नीतियों के प्रति विशेष ध्यान दें – जांच करें कि यह किसे और कैसे प्रभावित करती हैं।

## जानकारी रखें

अपनी कहानी के उद्देश्य के प्रति स्पष्ट रहें और जिन लक्षित पाठकों/दर्शकों/श्रोताओं के लिए कहानी है, उन्हें जानें। व्यक्तियों और समूहों की राय पर न बैठे रहें। स्थानीय जेंडर और यौनिकता मुद्दों के प्रति जागरूक रहें। उसी तरह, स्वयं को मिथकों व गलतधारणाओं के प्रति जागरूक बनाएं। सरकार की भूमिका को जांचने के लिए अपने सूचना के अधिकार का प्रयोग करें। निश्चित करें कि आपकी कहानी कानूनी रूप से समर्थनीय हो।

## उचित भाषा का प्रयोग करें

केवल राजनीतिक रूप से सही और संवेदनशील भाषा का प्रयोग करें। अनाप–शनाप या विशेष शब्दावली से बचें। पहली बार सभी परिवर्णी शब्दों (ऐकरनिम) की व्याख्या करें। सरल, स्पष्ट और सही भाषा का प्रयोग करें ताकि आपका काम जितना संभव हो उतने अधिक लोगों तक पहुँचे। आपका उद्देश्य है जानकारी देना, तो अपनी कहानी में से सभी सनसनीखेज बातें निकाल दें। ऐसे शब्दों से बचें जो दुविधाजनक या अपने प्रभाव में रूढ़िवादी हों। इस उद्देश्य को आगे बढ़ाने के लिए, अपने कॉपी संपादक के साथ कहानी के मुख्य शीर्षक की जांच करें। भाषा, संस्कृति विशेष भी होनी चाहिए – स्थानीय देशी बोली के प्रयोग को बढ़ावा दें। विज्ञान को जितना संभव हो सरलता से समझाएं।

## तथ्य और संख्याओं को दो बार जांचे

तथ्य और संख्याओं के साथ आप कभी भी बहुत अधिक सावधान नहीं हो सकते – उन्हें दूसरे और तीसरे स्रोत से दोबारा जांचे। हमेशा आंकड़ों की व्याख्या करें और उन्हें सही दृष्टिकोण से प्रस्तुत करें। प्रयोग किए गए हर आंकड़े के स्रोत का उल्लेख करें, और ध्यान रखें कि स्रोत विश्वसनीय हों।

अपने लेख पर पूरी तरह रिसर्च करें ताकि अनजाने में भी कोई गलती न हो। जहां जरूरी हो वहां सारे तथ्य दें, चाहे वो सरकार या राष्ट्रीय एड्स कंट्रोल ऑरगनाइजेशन (नैको) के विरुद्ध ही क्यों न हों। आपका काम है संघर्ष की व्याख्या करना, लेकिन सामना करने से बचने का प्रयास न करें।

## अपने स्रोतों की जांचें करें

अपने स्रोतों की पूरी तरह जांच करें। सबसे ईमानदार स्रोत का भी छुपा एजेंडा हो सकता है। गैर सरकारी संस्थाओं की भूमिका पर सवाल उठाएं।

## पढ़ते रहें

एचआईवी/एड्स से जुड़े मुद्दों के बारे में पढ़ते रहें। यह आपको अपना ज्ञान आधार बढ़ाने में सहायता करेगा। यह आपको अपनी कहानी सही संदर्भ में प्रस्तुत करने में भी सहायक होगा क्योंकि ऐसी कहानियों में पृष्ठभूमि बहुमूल्य होती है।

## निरंतरता बनाए रखें

मनोरंजन समेत सभी प्रकार की प्रोग्रामिंग में एचआईवी कहानियों का प्रयोग करें। बल्कि इसका कुछ भाग प्राइमटाइम प्रोग्रामिंग में इस्तेमाल करें। मनोरंजक तत्व डालकर उनका आकर्षण बढ़ाएं। अपनी कहानियों को एड्स दिवस पर केंद्रित करने की बजाय पूरे वर्ष कवरेज का लक्ष्य बनाएं। कहानी खत्म होने के बाद उसे भूलें नहीं। वापस जाएं और देखें कि क्या आप फौलो–अप कर सकते हैं। यह वहां महत्वपूर्ण है जहां सरकार या गैर सरकारी संस्थाओं के कार्य का मूल्यांकन किया गया हो।

## बैकअप सेवाओं का प्रस्ताव रखें

अपनी वेबसाइट पर पूरा साक्षात्कार पेश करें – जिसमें वो सारी जानकारी भी

रिपोर्टिंग एचआईवी/एड्स अवार्ड, 2005 के विजेता

शामिल हो, जिसे आपके लेख/कार्यक्रम में जगह नहीं मिल सकी – ताकि अतिरिक्त जानकारी सीधे या अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित लोगों तक पहुँच सके।

## भलीभाँति सोची–विचारी तस्वीरें प्रयोग करें

हां, एक तस्वीर हजारों शब्दों के बराबर है। लेकिन याद रखें, तस्वीरें अधिक नुकसानदेह भी होती हैं। अपनी तस्वीरों के चुनाव में किसी समूह या समुदाय को रूढ़िबद्ध बनाने से बचें।

# भाषा की बारीकियां

एचआईवी/एड्स के साथ जी रहे लोगों (पीएलएचए) के बारे में रिपोर्टिंग करते समय, यह महत्वपूर्ण है कि हम अपने

व्यक्तिगत पक्षपातों को याद से अलग रखें और यह देखें कि हमारी भाषा अज्ञानता न दर्शाए। ध्यान रखें कि हम इस लक्षण समूह से जुड़े कलंक, पक्षपातों, गलत धारणाओं और डरों को न बढ़ाएं।

इसके साथ ही, जो भाषा हम अपनी रिपोर्टों में प्रयोग करते हैं वह एचआईवी/एड्स के बारे में मनोवृत्तियों को आकार देने में सहायता करती है। इसलिए, रिपोर्टर होने के नाते हमें महामारी के लिए उचित भाषा सीखनी चाहिए।

जहां एचआईवी/एड्स की विशाल सामाजिक और भावनात्मक शाखाएं हैं, वहीं इसके कई सारे बहुत अधिक तकनीकी पहलू भी हैं। इस प्रकार, न सिर्फ जुड़े तकनीकी मुद्दों को समझने का प्रयास करना महत्वपूर्ण है बल्कि यह सुनिश्चित करना भी, कि हमारी रिपोर्टों के द्वारा दी जाने वाली जानकारी तकनीकी रूप से गलत न हो। एचआईवी/एड्स पर रिपोर्टिंग के संदर्भ में उचित भाषा क्या है?

- उचित भाषा रचनात्मक होती है।
- यह सनसनी से दूर रहती है।
- यह रूढ़ियों को बढ़ावा नहीं देती।
- यह पक्षपात पैदा नहीं करती या कलंक को बढ़ावा नहीं देती।
- यह भावी पाठकों/दर्शकों/श्रोताओं के लिए उपयुक्त होती है। इसके लिए पत्रकारों को हमारे पाठकों/ दर्शकों/ श्रोताओं को जानने के साथ साथ एचआईवी/ एड्स शब्दावली को भी अच्छी तरह जानने की जरूरत है।
- यह गैर–आलोचनात्मक और गैर–भेदभावपूर्ण होती है।
- यह उत्पीड़ित करने की बजाय सकारात्मक, सशक्त करने वाली होती है।
- यह निष्पक्ष और जेंडर संवेदनशील होती है।
- यह तकनीकी रूप से सही, लेकिन तकनीकियों को सरलता से समझे जा सकने वाले रूप में बदलने वाली होती है।

## संवेदनशीलता से लिखना

| बचें ✗ | क्योंकि ? | प्रयोग करें ✓ |
|---|---|---|
| एड्स | एड्स के पहले से ही कई अर्थ हैं। एड्स, एक्वायर्ड इम्यूनो डिफिशन्सि सिन्ड्रोम का परिवर्णी शब्द (ऐकरनिम) है | एड्स |
| एचआईवी और एड्स<br>एचआईवी या एड्स | एचआईवी और एड्स जुड़े हुए हैं। एचआईवी एड्स की ओर ले जाता है | एचआईवी/एड्स |
| एड्स वाइरस<br>एचआईवी वाइरस | एचआईवी और एड्स के बीच दुविधा उत्पन्न कर सकता है। एचआईवी, ह्यूमन इम्यूनोडिफिशन्सि वाइरस का परिवर्णी शब्द (ऐकरनिम) है, तो वाइरस इसमें पहले से ही शामिल है | एचआईवी |
| एड्स<br>संकट/प्लेग | सनसनीपूर्ण; संकेत करता है कि एचआईवी/एड्स को नियंत्रित नहीं किया जा सकता; भेदभाव, निराशा और खलबली मचा सकता है | एचआईवी महामारी |
| एड्स की बीमारी | एड्स बीमारी नहीं है। यह लक्षण–समूह (बीमारियों का समूह) है जो एचआईवी द्वारा प्रतिरक्षा प्रणाली के कमज़ोर होने का परिणाम है। यह शरीर को 'अवसरवादी' बीमारियों (बीमारियां जो प्रतिरक्षण कमज़ोरी का फायदा उठाती हैं) के लिए खोल देता है | एड्स–संबंधित बीमारी। विशेष बीमारी का नाम बताएं जैसे कि टीबी या कैंसर |
| पूर्ण विकसित एड्स | अगर एचआईवी और एड्स में सही अंतर किया जाए तो यह प्रयोग करने की जरूरत ही नहीं; कोई अर्ध–विकसित एड्स नहीं होता | एड्स |
| एड्स जांच | एड्स के लिए कोई जांच नहीं है, लेकिन एचआईवी के लिए जांच हैं | एचआईवी (रोगप्रतिकारक) जांच |

# संवेदनशीलता से लिखना

| बचें ✗ | क्योंकि ? | प्रयोग करें ✓ |
|---|---|---|
| एचआईवी लगना | एचआईवी किसी को लग नहीं सकता; लोग संक्रमित हो सकते हैं। एचआईवी का संचारण भी ठीक है, लेकिन यह इस बात को महत्व देता है कि वाइरस 'किसमें' और कैसे संचारित हुआ, जो, अक्सर एचआईवी+ लोग नहीं जानते | एचआईवी संपर्क; एचआईवी पॉजिटिव होना |
| एड्स लगना | एड्स 'लग' नहीं सकता | एड्स विकसित होना; एड्स के साथ जीवित व्यक्ति |
| एड्स वहन करना<br>एड्स रोगवाहक<br>एड्स पॉजिटिव | यह एचआईवी से संक्रमित होने और एड्स होने के दो विशेष चरणों को उलझा देते हैं। एक व्यक्ति को एड्स हो सकता है, लेकिन उसे वहन नहीं किया जा सकता | एचआईवी पॉजिटिव व्यक्ति; एचआईवी/एड्स के साथ जी रहे व्यक्ति/लोग (पीएलएचए) |
| सुरक्षित यौन | साथी के साथ कोई भी यौन पूरी तरह जोखिम रहित नहीं होता, चाहे कॉनड्म भी प्रयोग क्यों न करो, जो जोखिम को काफी कम कर सकता है, लेकिन जोखिम को, पूरी तरह खत्म नहीं कर सकता | सुरक्षित यौन |
| शारीरिक द्रव्य | सभी शारीरिक द्रव्य एचआईवी संचारित नहीं करते | वीर्य; मां का दूध; रक्त; योनि स्राव |
| एचआईवी शिकार/पीड़ित | शिकार से शक्तिहीनता का एहसास होता है – पीएलएचए निश्चित रूप से शिकार नहीं हैं | एचआईवी/एड्स के साथ जी रहे व्यक्ति/लोग (पीएलएचए); एचआईवी पॉजिटिव |
| एड्स पीड़ित | एचआईवी/एड्स के साथ जी रहे बहुत से लोग वर्षों तक काफी स्वस्थ रह सकते हैं और खुशहाल जीवन जी सकते हैं | एचआईवी पॉजिटिव व्यक्ति |
| एड्स रोगी | केवल तभी सही है जब कोई बीमार हो। इसे एचआईवी संक्रमण से अलग पहचानने के लिए ध्यान देने की जरूरत है, कि 'रोगी' कहना कब सही नहीं है। रोगी शब्द का प्रयोग केवल चिकित्यकीय संदर्भ में करना चाहिए | एचआईवी/एड्स के साथ जी रहे लोग; एचआईवी/एड्स के साथ जी रहे व्यक्ति |
| निर्दोष | यह संकेत करता है कि कोई और दोषी है। कोई भी एचआईवी के संपर्क में मर्जी से नहीं आता ना किसी के साथ ऐसा होना चाहिए | इसे बिल्कुल प्रयोग न करे |
| वेश्या | अपमानजनक और मूल्य/नैतिकता से भरा लगता है | यौन कर्मी |
| खराब चरित्र वाले वाले | अभियोगात्मक और अपमानजनक | एक से अधिक साथी |
| नशीली दवा दुरुपयोग करने वाले/आदी | नशीली दवाओं का सेवन करने वाले बहुत से लोग समझते हैं कि उनका दवाओं पर नियंत्रण है, कि वे उनके आदी नहीं हैं। दुरुपयोग करने वाले या आदी कहना उन्हें अलग कर देता है। संक्रमित सुई लगाने की क्रिया से एचआईवी संचारित होता है, स्वयं दवाओं से नहीं | नसों में नशा करने वाले (इंट्रावीनस ड्रग यूज़र – आईयूडी) |
| समलैंगिक | यह व्यक्ति की पहचान का पश्चिमी विचार है। विश्व के विभिन्न भागों में, पुरुषों के साथ यौन संबंध बनाने वाले पुरुष आवश्यक रूप से स्वयं को गे या समलैंगिक पहचान वाला नहीं समझते | पुरुषों के साथ यौन संबंध बनाने वाले पुरुष (एमएसएम) |
| उच्च जोखिम | उच्च जोखिमपूर्ण आचरण होता है, लेकिन कोई उच्च जोखिमपूर्ण समूह नहीं होता। व्यक्ति चाहे किसी भी समूह का हो, उसके कृत्य हैं जो उसे एचआईवी से अरक्षित बनाते हैं | उच्च जोखिमपूर्ण आचरण |